यूपी बोर्ड अर्द्धवार्षिक परीक्षा 2022-23

विषय - सामान्य हिन्दी

कक्षा -12

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट - प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(खण्ड-क)

1.(क) 'आवारा मसीहा' के लेखक हैं

(i)आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(ii) सदासुखलाल

(iii) विष्णु प्रभाकर

(iv) हजारी प्रसाद द्विवेदी ।

(ख) 'संयोगिता स्वयंवर' किसकी रचना है ?

(i) राधाकृष्ण दास

(ii) लाला श्रीनिवास दास

(iii) बालकृष्ण भट्ट

(iv) श्रीनिवास दास ।

(ग). 'इन्दुमती' कहानी के लेखक हैं

(i) वृन्दावनलाल वर्मा

(ii) किशोरीलाल गोस्वामी

(iii) 'अज्ञेय'

(iv) प्रेमचन्द ।

(घ) 'स्कन्दगुप्त' नाटक के लेखक हैं

(i) लक्ष्मीनारायण मिश्र

(ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(iv) प्रताप नारायण मिश्र ।

(ङ) 'मृगनयनी' उपन्यास के लेखक हैं

(i) भगवतीचरण वर्मा

(ii) वृन्दावनलाल वर्मा

(iii) अमृत राय

(iv) जैनेन्द्र कुमार

2. (क) 'हरी घास पर क्षणभर' कृति निम्न में से किसकी है?

(i) भवानी प्रसाद मिश्र

(ii) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

(iii) 'अज्ञेय'

(iv) नागार्जुन ।

(ख) 'आनन्द कादम्बिनी' पत्रिका के सम्पादक हैं

(i) महावीर प्रसाद द्विवेद

(ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(iii) रूपनारायण पाण्डेय

(iv) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' ।

(ग) निम्नलिखित में से प्रयोगवादी कवि हैं

(i) महादेवी वर्मा

(ii) सुमित्रानन्दन पंत

(iii) 'अज्ञेय'

(iv) डॉ० नगेन्द्र |

(घ) 'छायावाद काल' का काल निर्धारण कीजिए- 1

(i) सन् 1900 से 1922 ई०

(ii) सन् 1938 से 1943 ई०

(iii) सन् 1919 से 1938 ई०

(iv) सन् 1943 से अब तक ।

(ङ) प्रगतिवाद का मुख्य आधार है

(i) प्रजातन्त्र

(ii) राष्ट्रीय पुनर्जागरण

(iii) साम्यवाद

(iv) समाज सुधार

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

भूमि का निर्माण देवों ने किया है, वह अनन्तकाल से है। उसके भौतिक रूप, सौन्दर्य और समृद्धि के प्रति सचेत होना हमारा आवश्यक कर्तव्य है। भूमि के पार्थिव स्वरुप के प्रति हम जितने अधिक जागरुक होंगे, उतनी ही हमारी राष्ट्रीयता बलवती हो सकेगी। यह पृथिवी सच्चे अर्थों में समस्त राष्ट्रीय विचारधाराओं की जननी है। जो राष्ट्रीयता पृथिवी के साथ नहीं जुड़ी वह निर्मूल होती है। राष्ट्रीयता की जड़ें पृथिवी में जितनी गहरी होंगी, उतना ही राष्ट्रीय भावों राष्ट्र कालि का अंकुर पल्लवित होगा। इसलिए पृथिवी के भौतिक स्वरुप की आद्योपांत जानकारी प्राप्त करना उसकी सुन्दरता, उपयोगिता और महिमा को पहचानना आवश्यक धर्म है।

(i) राष्ट्र भूमि के प्रति हमारा आवश्यक कर्तव्य क्या है?

(ii) किस प्रकार की राष्ट्रीयता को लेखक ने निर्मूल कहा है?

(iii) यह पृथिवी सच्चे अर्थों में क्या है?

(iv) रेखांकित वाक्यांश की व्याख्या कीजिए

(v) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

अथवा

भाषा की साधारण इकाई शब्द है,शब्द के अभाव में भाषा का अस्तित्व ही दुरुह है। यदि भाषा में विकासशीलता शुरू होती है तो शब्दों के स्तर पर ही दैनंदिन सामाजिक व्यवहारों में हम कई ऐसे नवीन शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, जो अंग्रेजी, अरबी, फारसी आदि विदेशी भाषाओं से उधार लिये गए हैं। वैसे ही नए शब्दों का गठन भी अनजाने में अनायास ही होता है। ये शब्द अर्थात् उन विदेशी भाषाओं से सीधे अविकृत ढंग से उधार लिये गए शब्द, भले ही काम चलाऊ माध्यम से प्रयुक्त हों, साहित्यिक दायरे में कदापि ग्रहणीय नहीं । यदि ग्रहण करना पड़े तो उन्हें भाषा की मूल प्रकृति के अनुरुप साहित्यिक शुद्धता प्रदान करनी पड़ती है ।

(i) भाषा की विकासशीलता कैसे शुरू होती है ?

(ii) 'अविकृत ढंग' और 'मूल प्रकृति' का क्या आशय है?

(iii) साहित्यिक दायरे में विदेशी भाषा के शब्दों को किस रूप में ग्रहण करना पड़ता है ?

(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(v) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

बैठी थी अचल तथापि असंख्य तरंगा
वह सिंही अब थी हहा ! गोमुखी गंगा -
हाँ जनकर भी मैंने न भरत को जाना
सब सुन लें, तुमने अभी स्वयं यह माना
यह सच है तो फिर लौट चलो घर भैया
अपराधिन मैं हूँ तात, तुम्हारी मैया
दुर्बलता का ही चिह्न विशेष शपथ है
पर अबला जन के लिए कौन-सा पथ है ?

(i) प्रस्तुत पद्यांश में किन-किन पात्रों के बीच संवाद हो रहा है?

(ii) पाठ का शीर्षक एवं रचयिता के नाम का उल्लेख कीजिए

(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iv) घर लौट चलने के लिए कौन किससे आग्रह कर रहा है?

(v) सिंहिनी और गोमुखी गंगा से क्या अभिप्राय है?

अथवा

सूखी जाती मलिन लतिका जो धरा में पड़ी हो
तो पाँवों के निकट उसको श्याम के ला गिराना ।।
यों सीधे से प्रकट करना प्रीति से वंचिता हो
मेरा होना अतिमलिन औ सूखते नित्य जाना ।।
कोई पत्ता नवल तरु का पीत जो हो रहा हो
तो प्यारे के दृग युगल के सामने ला उसे ही ।
धीरे-धीरे सँभल रखना औ उन्हें यों बताना
पीला होना प्रबल दुख से प्रोषिता - सा हमारा ।।

(i) राधा पवन से पृथ्वी पर पड़ी हुई लता को क्या करने के लिए कहती हैं?

(ii) सूखी लता से राधा कृष्ण को क्या संदेश देना चाहती हैं ?

(iii) पीले पत्ते को श्रीकृष्ण के सामने लाने से राधा का क्या अभिप्राय है?

(iv) उपर्युक्त पद्यांश की रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए ।

(v) पाठ का शीर्षक तथा रचयिता के नाम का उल्लेख कीजिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

(i) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ii) वासुदेवशरण अग्रवाल

(iii) मोहन राकेश ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

(i) रामधारी सिंह दिनकर

(ii) मैथिलीशरण गुप्त

(iii) जयशंकर प्रसाद ।

6. ''पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

अथवा

'ध्रुवयात्रा' अथवा 'लाटी' कहानी का सारांश लिखिए।

8. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

(i) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक 'हर्षवर्द्धन' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर चतुर्थ सर्ग की कथावस्तु को अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के अनुसार 'दशरथ' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कुन्ती' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(iv) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक 'महात्मा गाँधी' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(v) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुर्योधन' का चरित्र-चित्रण कीजिए

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

(vi) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए

(खण्ड ख)

9. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

धन्योऽयं भारतवर्षः यत्र समुल्लसति जनमानसपावनी भव्यभावोद्भाविनी शब्द सन्दोहप्रसविनी सुरभारती। विद्यमानेषु निखिलेष्वपि वाङ्ग्येषु अस्याः वाङ्मयं सर्वश्रेष्ठं सुसम्पन्नं च वर्तते। इयमेव भाषा संस्कृत नाम्नाऽपि लोके प्रथिता अस्ति । अस्माकं रामायण-महाभारताद्यैतिहासिकग्रन्थाः चत्वारो वेदाः सर्वा उपनिषदः अष्टादशपुराणानि अन्यानि च महाकाव्य - नाट्यादीनि अस्यामेव भाषायां लिखितानि सन्ति । इयमेव भाषा सर्वासामार्य भाषाणां जननीति मन्यते भाषातत्त्वविद्भिः ।

अथवा

अतीते प्रथम कल्पे चतुष्पदाः सिंहम् राजानमर्कुवन्। मत्स्याः आनन्दमत्स्यं, शकुनयः सुवर्ण हंसम् । तस्य पुनः सुवर्णराज हंसस्य दुहिता हंसपोतिका अतीव रूपवती आसीत्। स तस्यै वरमदात् यत् आत्मनश्चित रुचितं स्वामिनं वृणुयात् इति। हंसराजः तस्यै वरं दत्वा हिमवति शकुनि संघे, संन्यपतत्।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

काव्यशास्त्र विनोदेन कालो गच्छति धीमताम् ।
व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा ।

अथवा

न चौरहार्यं न च राजहार्यं
न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि ।
व्यये कृते वर्द्धत एव नित्यम्
विद्याधनं सर्वधनप्रधानम् ।।

10. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(i) श्री गणेश करना
(ii) दाँतों तले उँगली दबाना ।
(iii) होनहार बिरवान के होत चीकने पात।
(iv) जैसी करनी वैसी भरनी ।

11- (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'यद्यपि' का सन्धि-विच्छेद है

(A) यदि + पि (B) यद्य + अपि
(C) यदि + अपि (D) यत् + अपि

(ii) 'रजनीश' का सन्धि-विच्छेद है

(A) रजन + ईशः (B) रजनी + ईशः

(C) राजन + एशः (D) रजने + शः

(iii) 'पावकः' का सन्धि-विच्छेद है

(A) पो + अकः (B) पौ + अकः

(C) पाव + कः (D) प + आवकः ।

(ख) निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही चयन कीजिए:

(i) 'नाम्नाम्' में विभक्ति और वचन है

(A) द्वितीया विभक्ति एकवचन

(B) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(C) पंचमी विभक्ति, बहुवचन

(D) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन ।

(ii) 'आत्मसु' शब्द में विभक्ति और वचन है

(A) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन

(B) षष्ठी विभक्ति एकवचन

(C) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

(D) तृतीया विभक्ति, एकवचन ।

12. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए:

(i) द्रव- द्रव्य

(A) दान और दाता

(B) धन और धान्य

(C) दवा और दया

(D) तरल और धन ।

(ii) अनल -अनिल

(A) वायु और अग्नि

(B). पानी और आग

(C) जल और हवा

(D) अग्नि और वायु ।

13. (क) वीर रस' अथवा 'शृंगार रस' का स्थायी भाव के साथ उसकी परिभाषा अथवा उदाहरण लिखिए।

(ख) 'अनुप्रास' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए।

(ग) 'चौपाई' अथवा 'दोहा' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए । 1+1=2

14. अपने उप-जिलाधिकारी को एक प्रार्थना पत्र लिखिए, जिसमें आपके गाँव में जहाँ-तहाँ ढेर लगे हुए कूड़े कचरे की सफाई के लिए सम्बन्धित व्यक्ति को आदेशित करने का निवेदन किया गया हो।

अथवा

अपना कुटीर उद्योग प्रारंभ करने हेतु किसी बैंक के प्रबंधक को ऋण प्रदान करने हेतु एक पत्र लिखिए ।

15. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए :

(i) शिक्षित युवावर्ग और बेरोजगारी की समस्या ।

(ii) पर्यावरण प्रदूषण : समस्या और समाधान ।

(iii) वर्षा ऋतु का महत्त्व ।

(iv) छात्र और अनुशासन ।

(v) विज्ञान : वरदान या अभिशाप ।